भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3276

21 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए नियत

"सीजी उद्योग में कर्मचारियों का कौशल प्रशिक्षण"

3276. डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:
श्री चन्द्र शेखर साहू:
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:
श्री राहुल रमेश शेवाले:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विभिन्न राज्यों, विशेषकर महाराष्ट्र और ओडिशा में पूंजीगत वस्तु क्षेत्र चरण-दो में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की योजना के अंतर्गत पूंजीगत वस्तु (सीजी) उद्योग में कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए कितना निवेश किया गया है;

(ख) वर्ष 2022-23 के दौरान महाराष्ट्र, ओडिशा और अन्य राज्यों में इस योजना के अंतर्गत अब तक कितने व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है;

(ग) प्रयुक्त कार्यक्रमों और संबंधित पाठ्यक्रम का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या केन्द्र सरकार ने देश में पूंजीगत वस्तु उद्योग क्षेत्र में कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री कृष्ण पाल गुर्जर)

(क) : "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि" स्कीम मांग-आधारित अखिल भारतीय स्कीम है जिसके तहत देश के किसी भी संघ राज्य क्षेत्र/राज्य से प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा सकता है।

स्कीम के तहत, भारी उद्योग मंत्रालय ने कौशल संवर्धन के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं को मंजूरी दी है:

(i) ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए ऑटोमोटिव कौशल विकास परिषद् (एएसडीसी) द्वारा 2.838 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के साथ 23 अर्हता पैक का विकास;

(ii) पूंजीगत वस्तु क्षेत्र के लिए पूंजीगत वस्तु कौशल परिषद द्वारा 2.99 करोड़ रुपये की परियोजना लागत से 23 अर्हता पैक का विकास;

(iii) 87.06 करोड़ रुपये की परियोजना लागत से उन्नत वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रदान करने के लिए डब्ल्यूआरआई, त्रिची-बीएचईएल में साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी) ।

(ख) : स्कीम के तहत वर्ष 2022-23 (अद्यतन स्थिति के अनुसार) के दौरान बीएचईएल द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या निम्नानुसार है:

तमिलनाडु		**उत्तरप्रदेश**	**कुल**
त्रिची	**रानीपेट**	**वाराणसी**	
1552	**32**	**88**	**1,642**

(ग) : बीएचईएल द्वारा प्रशिक्षण के लिए प्रयुक्त पाठ्यक्रम नीचे दिया गया है:

वेल्डिंग में एनएसक्यूएफ स्तर 3-6 । पाठ्यक्रम को बीएचईएल-त्रिची के वेल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने डिज़ाइन किया है जिसमें कार्यक्रम के अधिकतर हिस्से में हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी जाती है और सैद्धांतिक कक्षाएं भी चलाई जाती हैं जिनमें वेल्डिंग पावर स्रोत, सुरक्षा, वेल्डिंग कंज्यूमेबल सामग्री, वेल्डिंग प्रक्रिया विनिर्देश, प्रक्रिया अर्हता रिकॉर्ड, पावर स्रोत रखरखाव जैसी मूलभूत बातें होती हैं।

(घ) : भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा में वृद्धि स्कीम, चरण-II के अंतर्गत पूंजीगत वस्तु उद्योग में कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए भारी उद्योग मंत्रालय ने ऐसा कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है।

(ड.) **:** उपर्युक्त (घ) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

***